

सिद्धिदायक । विद्याप्रसादाय

मनु रीति ॥ सिद्ध लज्जल यडा सुमां न पुत्र नीस गती मं चीत गंगा
हिल मनु रीति नवा या ॥ धन थम मनु रीति सिद्ध लज्जल यडा सुमां न पुत्र नीस गती मं चीत गंगा
कि न क वसु रीति यडा थम न धन या थ वी नि डा थं ज्ञान मंडि डा
प्र ज्ञान मंडि डा रीति ॥ ॐ पूजा मायि ता न ल ल आ री हा हा
क ना कल न आ री धन न रीति न ना द न आ री ग के ग के ना हि तु ग र
धि तु ग वि कल द द ज हा री न म नि हा थ प कु दा हि के डा नि मू वा म
ल ठ थ थि वं ग नि जा गं जा ग वी री न न म नं अ रू का री ना गं का वि

परस्मैक क न ॥ ध १ ध म कु ल वा ज प ल पा ड वि या क्र स ह ल वि या ॥
 स लो य म कु ध ॥ ॐ क क ल क ल वा ल ह रं य नि हं स व हा दि हं स हि म न
 दि म नि म कु धा व ज ग वि पु न ता उ र्थ नि न ल नि जा व नि व क्का न ॥ ध १
 ध म कु ल वा ज प ल पा ड वि या क्र स ह ल व ल या गु लि लि का य ॥
 ॐ ना न तु जि न स न हं रु ट्वा हा ॥ ध १ माल स्या क पू य ता हा नि
 न गु य श ता ॥ ॐ क ल थ ल को ओ म थ ल हां हं रु ट्वा हा ॥ ध १
 ध म कु ल वा न स्या क पू य ता हा नि न गु य श ता रु स न स्या क ॥

प्रातः स्या क पू य

मिखा स्या क

प्रातः स्या क

ह ल श य क

ॐ सि हि श्री गु रू श्या म न व नि स्ता मि न तु ना ग भि प न थ क र क र ग
 क र क र क र क र न तु ना ग भि नि सि नि ना ग य ना ग य हं रु ट्वा
 को स्वा हा ॥ ध २ ॥ मि खा स्या क पू य मि खा म त स श ता ॥ ॐ नि सि नि
 प न स्वा हा ॥ ध १ प्रा त स्या क पू य चि क न न गु य श ता ॥ ॐ कि रु स्त
 य न्त्र गु र्व ध नि न क का का हं हं रु ट्वा हा ॥ ध १ स्ना न पू य दि स्ति
 य श ता ॥ ॐ अ म न च न च न नि य का दि न स्वा हा ॥ ध १ का क म
 ग ल ज प ल पा ड ना नि या रु स ग न य ह ल श य क श ता ध म कु ॥

ॐ सानि मरि सानि मान मान नीय स्वाहा ॥ धी ३ ध मनु ल लं ख ज य ल वा
 अ गी न के साल का द य क शं ला ॥ ॐ न म ४ गी गं ल ग्ग य न न म ना ड रु
 ल व च न नि श्रे य य पा ७ गं ल ग्ग वा रु न मू स क न ड ॐ हा छ दि पू
 वे मू दू जा ड वा र्ना व ॐ हा ॐ हा वा यि गं ल ग्ग क ग नी न ~~व~~
 घा डा घा नि गु र्की स ग ति म नी रु ग ति रू ल मं गु ग ल ग्ग की वा वा
 ॥ धी १ ~~ल~~ न पू य ~~रू~~ का य य म नु शं ला ॥ ॐ सै स्वा स न ल ब्र म नू ध
 ना ना थ वि कू जा नि जाना का नि कू टि कू क न गी ना थ की ना गू रू

वि री

वा म न गु र्की स ग त मा न रु ग त रू ल म नु ॐ ग्ग न वा वा ॥ धी १
 शि वा न हा क या पू य शं ला उ ध न ला य शं ला ॥ ॐ मा न यि न क
 मू रि व कू कं कि मि कू र्यं क लि कू रू ट् स्वा हा ॥ धी १ ध म नु ल चि क
 न ज य ल पा डा वा न गु य चि ज य ल पा डा न के कू १ कि मि द का
 का थ य शं ला चि चि कि ध रू ग क शं ला ॥ ॐ का लि क ल ति स न द
 ति वि ख ना के लं ति कू के सा म यो गु र्की ग कि म नि रु कि खे ना म
 नु ॐ ग्ग ना वा वा ॥ धी १ सो म ल वि के या स्वा न पू य ला हा नि न स
 य शं ला ॥ ॐ ॐ डि पि स्वा हा ॥ धी १ पू य हि वि ये शं ला पू य वा

सा न न वि का

ध म नु ल चि क

वि री

^{हं हं क}
 लस॥ ॐ समं न गिति मसु गिति हा हा हू हा हा ॥ धन ध मनु
 लख जप ल पाडा गान के हि जो क या इ लो ॥ ॐ गु री गु री आ ग्या
 ॐ गु री गु री व ग व ज न ग न रू द गि नि का व द वि द्वा इ रू दू हा हा वि
 पा वा च ॥ धन ध मनु ल ख जप ल पाडा मि सान क मि सा व स श ल
 थं जा न क या क म डि डा इ लो ॥ दू न डा या त्वा ल सा ल डा न मा ल इ
 लो ॥ ॐ महा का य ठुं क ना न किं क ना न रु रू रु रू कि नि म हा न रु न
 रु न कं थो चं चं मं इ इ महा न च ग्या य हा हा ॥ धन ध लख जप

लख या व स

ल पा डा गान क मि सा व स रु यि डा थं जा न म डि डा इ लो ॥ ॐ का लि टा थि
 सि न रु का ल वा न हा थ क पा ल क लु प सि न रु वू न क क ल म हा का न
 हा हा ॥ धन ध मनु ल क पा डा दू स य न डा डा हा डा य य वा ल म ल मा
 ल सा क ना स रु यि डा इ लो ॥ ॐ अ रू ल इ इ रू दू हा हा ॥ धन ध मि
 सा सा क य य मि सा ग ल स इ लो ॥ ॐ उ रू सि धि म नि य य यि गु द गु
 द स रु पा धा द व का टि कू टि रा य मू ड व रु यि भा के थो गु रू पा डा न ॥

मि सा सा क

द रु डा या

अथ मनुज प्रयद दडा डाना गइ यिडा रता ॥ ॐ कीट स्वाहा सर्व
कीट स्वाहा ॥ धन बोला कप्रयद गाल स मु ख साग ड वे रु ला ॥
ॐ एहं सिद्धि म निय च यि हां इं रुट् स्वाहा ॥ धन लख ज प ल पा ड
गान के म व न म व्या री म रु म व्या हा डान का डी ग ल सी का थ
डि डा रु ला थ म नु ल ॥ ॐ क न वि का न ना भं वि ना भं प न ना ना मा नं
हं इं रुट् स्वाहा ॥ धन थं म नु ल लख ज प ल पा ड गान के म व न म
डा स धी लो न डी या

उस न डी या

ख्या य म रु रु ला या हा डी ग ल सी का थ य म नु ध रु ला ॥ ह नां डा स
ख ला डा न डा सी डी डा रु ला ॥ ॐ ह न प गि हां गं सु ना दि श्री प र्व न ला ति
स हां इं रुट् स्वाहा ॥ धन थं म नु ल लख ज प ल पा ड गान के उ स न ड
या ला यि डा रु नां थो त स ना दि न द का प ग्य री डा ला डा वा रु व नु न
डा या रु नां अ ग ल री डा ला डा वा रु व नु न डी या रु सि रु वृ यि वा
न बो ला डा थु गु ति री ख गान के द का वि धी सू क री ला के स धा ला

सर्वस्वगयशः॥ ॐ वाञ्छुकि दनुनासि मन्त्र दमाना नासि सिद्धि हं व
नासि हं सिद्धि रुट्खाहा ॥ ६५ ॥ १५ मकुल पृ चवीनका कया अस ता य
रता ॥ ॐ वीनवन महासुकटिवन श्री कौमारी रुकान हां हं ॥ ६६
१५ मकुल सर्वस्वगय तयाडा मान के चिकन जय तयाडा मात स
लेह सजा निस्पातिरुत सयाहाहा निस्पातिरुत नयन नान भा
वावृत्तिडाशला ॥ ॐ ॐ नु जान सुधमकु मसु महावती द वि नु

भावावृत्ति

तानल

शानवावानल वाद्य जाहं याज्ञ नासि श्रीगुरु श्रामा रुट्खाहा ॥ ६७
१५ मकुल गमजला रुवा जय तयाडा यदि मसं कय कल हायजा
लगाक मलथडा मसु नय थगु लिमकुया प्रताडा हं नयुग
पिअच ना के स यक सि नि देव देय किनेन जहा नाग
मधक धृतिर्या हं समइ वन जं दुयां हं हं समइ मनुकया
हं समइ शला ॥ ॐ उ व जो न जसु हं नवमाहा मनु सिद्धि न

हिडाडाया

आमा मरुति

795

सत्ता॥ सुत्रनिर्देशं लोहं हवा लोचनं त्रिभुजं मरिचं
वृत्रनिधाय नव् तुल्यं त्रिभुजं कुरु गामवृत्तं ब्रह्म
लं श्रवणं गवति वृत्तं सायसिद्धिं युत्र्या ज्ञानं
तिनं कुलं लोहा नि सयुया शंका कवमु गम
ति वनं स थुतिनं कुलं हवा तुल्यं कुरु गामवृत्तं
सायसिद्धिं वृत्तं सायसिद्धिं श्रवणं गवति वृत्तं

१३ तका लयायलासुनिर्दुइयिडामबुइली॥ ॐ श्रीसिद्धि
 गुरुआय॥ ॐ श्रीग्वनीकेवांरा मिथ्यानकनर्ककचुकनन
 धनकनथासुनिकावालादा नाहनिमनरुकापसिगुरु
 आय॥ ॐ श्रीकनउपलयाडाकयालसुनिकनयमा
 लयाकननानीलायिडाइली॥ ॐ नमः श्रीसिद्धिगुरुआय
 ॥ ॐ विहगा निद्रा श्रीब्रधान निवमागपुनआय॥ ॐ श्रीकीव

नलि याव स

सायनिअमायिषि सर्वदुलकंदंगमबुनिर्दुइली॥ ॐ श्रीसिद्धि
 धमकुलनलिद्रयलयाडाथमनयाक्रमिसाडाके श्रीकेव
 कवलसमिसानमखनकमालडाक्रमिसाथडामवेइली
 निर्यंथडावसइयिडाथंडागेक्रमडिडाइली॥ ॐ श्रीग्वनीकेवांरा
 दसमइइली॥ ॐ नमः श्रीसिद्धिगुरुआय॥ ॐ नधालचिनि
 यानिधनचिनिहनिधनचिनिनकाधनचिनिइइली॥

सुनिर्दुइली

हा ॥ धनं वातसह डा ला हा मि या आ ला प चि द न मि दा डा व
य वात प रि पू य व ल स ला हा मि लि का य रु न क र न ला हा मि ड
ध न य थू गु लि गु मि पा न द क या हि ध्रिय म नु थ श ल ॥
ॐ स र्व स मि र्ख आ न या मि ॐ हं रु ट्वा हा ॥ थू गु लि म
नु ल व ल न स्या दा डा न डा क्र वि या क्ल ल ध दा डा रु य ज
थ वा व्वा ल व ल स ला क द डा क्र या क्ल ल का य ज थ वा घा
वि या क्ल ल वि य

स ल य व ल स ला क द डा क्र या क्ल ल ध दा डा रु य ॐ हं स रु
ला रु व स रु ला रु व रु क्षा रु व म न सा मि दि हं रु ट्वा हा ॥
ध न थू गु लि म नु ल अ ल ल प्वा ग न क्क रु हा या डा सा क
थ दा डा रु य ल थ ॐ हं ल म्पा अ र्य स र्व सि र्ख पा प या मि
हं हं हं रु ट्वा हा ॥ ध न थ म नु वा दा डा थू गु लि वि या क्ल
ल पि य आ सि क्का आ न रु ला रु न क्क अ ल ल प्वा क य रु

यकाडा थुगुलि पदका कायाडा विकन सिय थुगुलि विक
नसाघाडानायग याडागय ॐ डाँ सर्व काष्ठ लाह ना मुनं गि
न व सुत्र प्य सुत कुदीन सय सिद्धि सय्य हव हं रुढ
स्वाहा ॥ धा १ थुगुलि मकुल मगचाय थुगुलि मगन खे
का दका जान विज्ञयाडा धानि डुइ ला ॥ ॐ स्नान नाम
महावीन चक स्नानेन मगगग स्नाकूर्व नि गिन कूदक

खियाया कलियय

नामि हं रुढ स्वाहा ॥ धा १ धमकुलं रुपि स पूयाडा खियाया
कले धने रुला ॐ मन मन वीडं स्नान निर्व्य सदि गं नी
ययामि उं रुढ स्वाहा ॥ धा १ धमकुल खियाया कलियय
थुगुलि माव सेनलि थुगुलि चिकि चिकि मायातु य
ॐ मनका नस्यत्व ल पागं कनामि उं हं हं रुढ स्वाहा ॥
धा १ धमकुल वीडाडा खियाग दि ला य थुय चाल सयाक

लवा लस हनक तुं अर्य ता लईं काग सग ले वंधया
 मिग लुला वेल काग साना जो तव तुं डीं ईं रुट खाहा
 ॥ धा १ धमनु वा हाडा चाल स को घाय के खिचाई ॐ
 इलो हनक ॐ धमनु न की वाय क ल डा क्र डा ना पडा
 ॐ डा इलो हनक धु खि प न या गु लि प लि का ल ना ग ची
 ल स या चाल स ईं इ यि डा इलो धम चाल स ल हि ना डा ग

यम दु स्या हाडा नय माल म स्या क सा दु १ यि सि ॐ डा इलो ॥
 हनक पू डा कि कि कि या पू न य खि चा या ॐ धम तु स हल
 धन धन का डा पिय या न इ लो ॥ तुं मं मां मं द के स्य नि स्य
 क द या मि ईं रुट खाहा ॥ धा १ धमनु वा हाडा कान या क
 ल धन ॐ ल धन धन का डा पिय ॐ सरु लो ल व म धुक
 स नि स्य दृ ना क नाम रु ल स्य वी डं न के न के ॐ रुट ॥

हण्वा नयाय

ध्वा१ धमनुजं लं खवि याडा खान पुय इ लो ॥ थु गु लि ह ना मा
 सह ना या क य इ डा ना भ थु गु लि ह ना पु का या डा ने य म
 वने र ना कू वू या डा डा यि वे ल स ल्म २ ह ना या पु न या डा वि
 सह ना द का वा रु इ या डा वा नि डा ॥ ह ना पु न या गु लि लि
 का सी लि ह ना या ह नां इ यि डा इ लो ॥ ॐ स ॥ र्ध शि र्ध भा व
 या मि रू रू ॥ ध्वा१ धमनुजं वि या कू ल ५ ध दा डा वि या कू ल य
 रु हा या डा पु ५ ह ना या पु न या डा मि का डा थु गु लि ह ना स डा ३

अकारवसुनाचक

लिकायाडातयथुगुलिरगकुक्रुमिनिकिधनकायाडावुवतुर्गनय
उगुलिहिरुहिलाडाथडाथसडायिडाइली॥रनालिका
यमनडाहगदतलकासडायिडाहनाकर्मिडालनासत्र
व्यंवानिडाइलीगुरु॥संवत् ८०३ लाडपदभुक्कयूक्ति
मावधवानथुक्कुसुनिम्रयानिधिर्मिहयानसका
डापूर्वुरुइयकाडाथीगीकल्लनयेनाजोपाध्वनकायाविया॥
धसहलितगुरु॥शीशीरवरुवानीदेवीसुगमभोमभतमभुसर्वदाकरे॥